तीव्र पुरुषार्थ - 1

➢➢ अव्यक्त बापदादा की मुख्य 3 शिक्षाएं

➳ _ ➳ अभी राजा बन जाओ तो

→ जन्म जन्मान्तर राजा बनोगे

➳ _ ➳ **अगर हम यहाँ अपना राज्य दरबार लगायेंगे**

→ **तो धर्मराज के दरबार में नहीं जाना पड़ेगा**

➳ _ ➳ अभी refine बन जाओ

→ तो फाइन नहीं भरना पड़ेगा

➢➢ राज्य दरबार में 3 महामंत्री

➳ _ ➳ अष्ट शक्तियां

➳ _ ➳ कर्मेन्द्रियाँ

➳ _ ➳ प्रकृति

➢➢ 3 मुख्य शक्तियां

➳ _ ➳ संस्कार की शक्ति

➳ _ ➳ संकल्पों की शक्ति

→ संकल्प रुपी नाखून भी मिटटी की स्पर्श न करे

➳ _ ➳ निर्णय करने की शक्ति

➢➢ 3 प्रकार की फाइल्स

➳ _ ➳ यह करना है (Do' s)

→ अमृतवेला शक्तिशाली करना है

→ रोजाना मुरली मंथन करना है

→ दिनचर्या को शक्तिशाली करना है

➳ _ ➳ यह नहीं करना है (Don' ts)

→ व्यर्थ संकल्प / व्यर्थ स्मृतियाँ

→ कुसंग

➳ _ ➳ यह चाहिए (DESIRES)

→ क्या चाहिए ? पता नहीं... परन्तु भाग रहे हैं

→ इच्छाएं दौड़ा रही हैं

➢➢ Accounts (हिसाब - किताब) में 4 चीज़ें होती हैं :-

➳ _ ➳ Plus (+)

→ अच्छे कर्मों से

➳ _ ➳ Multiply (*)

→ अच्छे कर्मों के साथ शुभ भावना और श्रेष्ठ संकल्प

➳ _ ➳ Minus (-)

→ सब कुछ समझते हुए भी विकर्म करना

➳ _ ➳ Divide (/)

→ बहुत बड़े बड़े पाप करना

➢➢ हिसाब किताब कैसे चुक्तु करें ?

➳ _ ➳ आत्माओं से माफ़ी मांगो

➳ _ ➳ आत्माओं को माफ़ करो

➳ _ ➳ आत्माओं को धन्यवाद दो

➳ _ ➳ आत्माओं को दुआएं दो

➳ _ ➳ आत्माओं को PURE & POSITIVE VIBRATIONS दो

Avyakt Murli Refrence :- Page Number 3 Of Teevra Purusharth Book

---